SUBJECT: GEOGRAPHY

CLASS: B.A. Part I[st] (Hons.), PAPER: I[st], UNIT: V[th].

TOPIC: RELIEF OF THE INDIAN OCEAN

BY:— Dr Sanjay Kumar, Assistant Professor, Dept. of Geo.
D. B. College, Jaynagar, L.N.M.U. Darbhanga.

LECTURE No-17 (Email- sanjaykumar.phd@gmail.com)

(Indian Ocean, Cont......)

महाद्वीपीय मग्नतट —

हिंद महासागर के केवल 4.2% भाग पर ही महाद्वीपीय मग्नतट है जबकि ये प्रशांत महासागर के 5.7% तथा अंध महासागर के 13.3% भाग पर विस्तृत हैं। इसमें बहुत विविधता पाई जाती है। अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी में सबसे अधिक चौड़ा मग्नतट पाया जाता है जहाँ इसकी अधिकतम चौड़ाई 640 K.m. है। अफ्रीका के तट के निकट भी महाद्वीपीय मग्नतट पर्याप्त चौड़ा है। मेडागास्कर द्वीप के निकट यह अधिक चौड़ा हो जाता है। वास्तव में मेडागास्कर द्वीप मग्नतट पर ही खड़ा है। पूर्व की ओर मग्नतट अपेक्षाकृत संकरा है। उत्तर में जावा एवं सुमात्रा तथा दक्षिण में आस्ट्रेलिया के तट के निकट मग्नतट की औसत चौड़ाई 160 K.m. है। सुदूर दक्षिण में अंटार्कटिक महाद्वीप के निकट मग्नतट बहुत ही संकरा है।

द्रोणियाँ अथवा बेसिन —

इसमे कई द्रोणियों में बाँटते हैं। इनकी गहराई सामान्यत: 4000 से 6000 मीटर है। इसके प्रमुख द्रोणियाँ निम्नलिखित हैं:—

1) ओमान द्रोणी - ओमान की खाड़ी के निकट विस्तृत मग्नतट पर ओमान द्रोणी है जिसकी गहराई 4000 मीटर है।

2) अरब की द्रोणी,

3) सोमाली द्रोणी - यह उत्तर में सोकोत्रा- चागोस तथा दक्षिण में शेन्चेलस कटकों द्वारा घिरी हुई है। इसकी औसत गहराई 5000 मीटर है परंतु अफ्रीका के तट की ओर यह 5000 से 6000 मी. गहरी है।

Scanned with CamScanner

4) मारिशस द्रोणी – इसे दक्षिण-पूर्वी मेडागास्कर द्रोणी भी कहते है। इसकी सामान्य गहराई 4000 से 5000 मीटर है परंतु कहीं-कहीं यह गहराई 6000 मीटर से भी अधिक हो जाती है।

5) नटाल द्रोणी – यह द्रोणी मेडागास्कर कटक तथा दक्षिणी अफ्रीका के पूर्वी तट के बीच स्थित है। गहराई 6000 मीटर से अधिक है।

6) अगुलहास द्रोणी – यह नटाल द्रोणी के दक्षिण में स्थित है जिसकी गहराई 6000 मीटर है।

7) अटलांटिक-हिन्द-अंटार्कटिक द्रोणी – यह वास्तव में अंध्य महासागर की अटलांटिक-अंटार्कटिक द्रोणी का ही विस्तृत भाग है जो प्रिन्स एडवर्ड फ्रॉजेट कटक तथा अंटार्कटिक महाद्वीप के मध्य में स्थित है। यह 5000 मीटर से अधिक गहरी है।

8) अण्डमान द्रोणी → यह बंगाल की खाड़ी में अंडमान कटक के पूर्व में स्थित है। यह अपेक्षाकृत कम गहरी द्रोणी है जिसकी गहराई 2000 से 4000 मीटर ही है।

9) कोकोस कीलिंग द्रोणी → इसमें कोकोस कीलिंग नामक द्वीप स्थित है जिस कारण इसे कोकोस कीलिंग द्रोणी कहते हैं। यह पश्चिमी आस्ट्रेलिअन द्रोणी तथा भारत-आस्ट्रेलिया द्रोणी के नाम से भी प्रसिद्ध है। इसकी औसत गहराई 4000 से 6000 मीटर है जबकि इसकी अधिकतम गहराई 7000 मीटर से भी अधिक है।

10) पूर्वी हिंद अंटार्कटिक द्रोणी → दक्षिण की ओर स्थित यह द्रोणी मध्य कटक की वक्राकार शाखाओं द्वारा घिरी हुई है और 60° दक्षिणी अक्षांश तक फैली हुई है।

→ **द्वीप** → हिंद महासागर में अनेक प्रकार के बड़े व छोटे द्वीप पाए जाते हैं। बड़े आकार के द्वीप मेडागास्कर (मालागासी) एवं श्रीलंका महाद्वीपीय टुकड़े हैं। सोकोत्रा, जंजीबार, तथा कोमोरो जैसे छोटे द्वीप भी महाद्वीपीय द्वीप ही है। बंगाल की खाड़ी में स्थित अंडमान-निकोबार द्वीप-समूह म्यांमार के अराकानयोमा वलित पर्वत के जलमग्न भाग का ही ऊपरी दृश्य भाग है।

— x — x — x —

Scanned with CamScanner